



# झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

---

संख्या- 72 राँची, मंगलवार, 10 माघ, 1939 (श०)

30 जनवरी, 2018 (ई०)

---

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग।

-----  
संकल्प

8 दिसम्बर, 2017

कृपया पढ़ें:-

1. महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड, राँची का पत्रांक-125, दिनांक 16 मई, 2016 एवं पत्रांक-1356, दिनांक 3 मई, 2017
2. कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड, राँची का पत्रांक-4610, दिनांक 1 जून, 2016, पत्रांक-7033, दिनांक 16 अगस्त, 2016 एवं पत्रांक-3943, दिनांक 24 मार्च, 2017
3. उपायुक्त, धनबाद का पत्रांक-1264/गो०, दिनांक 14 अक्टूबर, 2016

**संख्या- 5/आरोप-1-51/2016 का.-11992--** श्री महेश कुमार संथालिया, झां०प्र०से० (कोटि क्रमांक-785A/03), अनुमंडल पदाधिकारी, धनबाद के विरुद्ध महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक-125, दिनांक 16 मई, 2016 द्वारा प्रपत्र-‘क’ में आरोप गठित कर उपलब्ध कराया गया। प्रपत्र- ‘क’ में श्री संथालिया के विरुद्ध निम्नवत् आरोप प्रतिवेदित है-

**आरोप सं०-1** झारखण्ड सरकार में अधिकार शिविर का आयोजन दिनांक 18 फरवरी, 2016 से दिनांक 20 फरवरी, 2016 तक किया गया था। प्राप्त आवेदन पत्र को लक्ष्य के अनुरूप दिनांक 21 फरवरी, 2016 से 27 फरवरी, 2016 तक स्वीकृत करना था। आप इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना एवं इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय विकलांग पेंशन योजना के स्वीकृति पदाधिकारी हैं। इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना का निर्धारित लक्ष्य 47,213 था, जिसके विरुद्ध 31 मार्च, 2016 तक आपने 36,082 स्वीकृत किये, जो लक्ष्य से 11,131 कम है। कम स्वीकृति होने के कारण भारत सरकार से वित्तीय वर्ष 2016-17 में राज्य को इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत कम राशि प्राप्त होगी, जिसके लिए आप दोषी हैं।

**आरोप सं०-2** लक्ष्य के विरुद्ध 11,131 कम स्वीकृति होने के कारण इतने व्यक्ति इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना से वंचित हो गये, जिसके लिए आप दोषी हैं।

**आरोप सं०-3** आपको महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड के पत्रांक-99, दिनांक 13 अप्रैल, 2016 के द्वारा एक सप्ताह के अन्दर स्पष्टीकरण माँगा गया था, लेकिन आपके द्वारा निर्धारित अवधि में स्पष्टीकरण उपायुक्त के माध्यम से विभाग को प्राप्त नहीं हुआ। इससे स्पष्ट है कि आप उच्च अधिकारियों के आदेश का उल्लंघन करते हैं।

उक्त आरोपों हेतु विभागीय पत्रांक-4610, दिनांक 1 जून, 2016 द्वारा श्री संथालिया से उपायुक्त, धनबाद के माध्यम से स्पष्टीकरण की माँग की गई, जिसके अनुपालन इनके पत्रांक-1320/सी०, दिनांक 16 जून, 2016 द्वारा स्पष्टीकरण समर्पित किया गया।

उपायुक्त, धनबाद से श्री संथालिया के स्पष्टीकरण पर मंतव्य उपलब्ध कराने हेतु विभागीय पत्रांक-7033, दिनांक 16 अगस्त, 2016 द्वारा अनुरोध किया गया। उपायुक्त, धनबाद के पत्रांक-1264/गो०, दिनांक 14 अक्टूबर, 2016 द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि विषयगत मामले में सचिव, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग (सामाजिक सुरक्षा निदेशालय), झारखण्ड, राँची को श्री संथालिया के स्पष्टीकरण पर मंतव्य पूर्व में भेजा गया है। उक्त पत्र में उपायुक्त, धनबाद द्वारा इनके स्पष्टीकरण पर विचार करते हुए आरोप से मुक्त करने की अनुशंसा की गयी है। इसके आलोक में विभागीय पत्रांक-3943, दिनांक 24 मार्च, 2017 द्वारा सचिव, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड से श्री संथालिया के स्पष्टीकरण पर

मंतव्य की माँग की गयी । महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड ने अपने पत्रांक-1356, दिनांक 3 मई, 2017 द्वारा मंतव्य प्रतिवेदित किया कि श्री संथालिया द्वारा ससमय लाभकों के पेंशन की स्वीकृति नहीं की गयी है, जो उनके कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं उच्चाधिकारियों के आदेश के अनुपालन में शिथिलता को प्रदर्शित करता है ।

श्री संथालिया के विरुद्ध आरोप, इनके स्पष्टीकरण एवं उपायुक्त, धनबाद तथा महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड से प्राप्त मंतव्य की समीक्षा की गयी । समीक्षोपरांत, श्री महेश कुमार संथालिया, झा०प्र०से० (कोटि क्रमांक-785A/03), अनुमंडल पदाधिकारी, धनबाद को भविष्य के लिए चेतावनी देते हुए मामले को संचिकास्त किया जाता है ।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

**सूर्य प्रकाश,**  
सरकार के संयुक्त सचिव।

-----